Yajurveda Upakarma 2023 PDF

उपाकर्म, जिसका अर्थ है शुरुआत। हिंदुओं विशेषकर ब्राह्मणों का एक पवित्र अनुष्ठान है, और वेदों की शिक्षा शुरू करने का दिन है। यजुर्वेद उपाकर्म का अर्थ है हिंदू धर्म में चार वेदों में से एक यजुर्वेद सीखने की शुरुआत। यह अनुष्ठान मुख्य रूप से माह श्रावण की पूर्णिमा के दिन ब्राह्मण पुरुषों द्वारा किया जाता है।

इस दिन वेदों की पढ़ाई शुरू करने के अलावा ब्राह्मणों द्वारा पहने जाने वाले पवित्र धागे (जनेऊ) को बदलने का भी विधान है। यजुर्वेद उपाकर्म के दिन हयग्रीव जयंती और गायत्री जयंती भी मनाई जाती है। नीचे दिया गया लेख यजुर्वेद उपाकर्म 2023 पर कुछ अंतर्दृष्टि प्रस्तुत करता है जैसे कि इसकी तिथि, पालन का तरीका, महत्वपूर्ण अनुष्ठान, आदि।

यजुर्वेद उपाकर्म श्रावण माह की पूर्णिमा (पूर्णिमा के दिन) पर पड़ता है, जिसे श्रावण पूर्णिमा का दिन भी कहा जाता है (हिंदुओं के लिए सबसे शुभ दिनों में से एक माना जाता है)। ग्रेगोरियन कैलेंडर में यह दिन आम तौर पर जुलाई या अगस्त के महीने में मनाया जाता है। हिंदू कैलेंडर, यजुर्वेद के अनुसार गणना की गई।

यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि विभिन्न वेदों, यानी, यजुर्वेद, ऋग्वेद, सामवेद और अथर्ववेद के लिए उपाकर्म अलग-अलग दिनों में मनाया जाता है। ऋग्वेद के अनुयायी श्रावण माह में श्रवण नक्षत्र के दिन उपाकर्म का पालन करते हैं। सामवेद उपाकर्म दिवस आमतौर पर यजुर्वेद और ऋग्वेद उपाकर्म दिवस के एक पखवाड़े के बाद आता है।

pdfinbox.com